



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-08092020-221615  
CG-DL-E-08092020-221615

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 236]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 8, 2020/भाद्र 17, 1942

No. 236]

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 8, 2020/BHADRA 17, 1942

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(व्यापार उपचार महानिदेशालय)

जांच शुरुआत अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 2020

मामला सं. एडीडी- (ओ आई) 22/2020

**विषय:** चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "एल्यूमिनियम के कुछ फ्लैट रोल्ड उत्पादों" के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरुआत ।

फा. सं. 6/27/2020-डीजीटीआर.-1. मै. हिन्डाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड (जिन्हें यहां आगे "आवेदक" भी कहा गया है) ने समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम भी कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षतिनिर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे "नियमावली" भी कहा गया है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे प्राधिकारी भी कहा गया है) के समक्ष घरेलू उद्योग की ओर से एक आवेदन दायर किया है जिसमें चीन जन.गण. (जिसे आगे संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "एल्यूमिनियम के कुछ फ्लैट रोल्ड उत्पादों", (जिसे आगे "संबद्ध वस्तु" या विशिष्ट रूप से "विचाराधीन उत्पाद", या "पीयूसी" भी कहा गया है) के आयातों के संबंध में मूल पाटनरोधी शुल्क की मूल जांच की शुरुआत करने का अनुरोध किया गया है।

2. आवेदक ने आरोप लगाया है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को महत्वपूर्ण क्षति हो रही है और महत्वपूर्ण क्षति का खतरा है और उसने संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लागू करने का अनुरोध किया है।

**क. विचाराधीन उत्पाद**

3. विचाराधीन उत्पाद “एल्यूमिनियम के निश्चित फ्लैट रोल्ड उत्पाद” है। एल्यूमिनियम के कुछ विशिष्ट फ्लैट रोल्ड उत्पाद एल्यूमिनियम रोल्ड कॉयल्स अथवा विभिन्न परिमाण वाली एल्यूमिनियम रोल्ड शीटों के रूप में बनाये जाते हैं। एफ आर पी प्राथमिक या द्वितीयक एल्यूमिनियम से बनाया जाता है जो विभिन्न प्रक्रियाओं से गुजरता है जैसे मेल्टिंग एवं अलॉयिंग, स्लैब कास्टिंग (स्लैब/कॉन कॉस्ट), हॉट रोलिंग, कोल्ड रोलिंग और अन्य परिष्करण प्रक्रियाएं तथा जाली, मिश्रण, मिश्र धातु, चौड़ाई, परिष्करण आदि के आधार पर विभिन्न अनुप्रयोज्यों के लिए प्रयुक्त किया जाता है।
4. आवेदक ने एक पीसीएन संरचना का प्रस्ताव किया है क्योंकि पीयूसी क्षेत्र के अंतर्गत उत्पादों की विभिन्न श्रेणियां लागतों, कीमतों, अंतिम प्रयोग, विशेषताओं अदि के रूप में भिन्न हैं। तथापि, इच्छुक पक्ष इस जाँच के आरंभ होने की तिथि से 15 दिनों के भीतर पीसीएन के अंतिम रूप के लिए अपनी टिप्पणी / सुझाव प्रदान कर सकते हैं।

| PCN                                  | Thickness Range (mm) | Width Range (mm)    | Temper   | Alloy Series                       | Length Range (mm)         | Primary Application  |
|--------------------------------------|----------------------|---------------------|--|------------------------------------|---------------------------|--|
| एसीपी स्टॉक / एसीपी मिल खत्म (एसीपी) | 0.12 से 0.98         | 760 से 1550         | एच 12, एच 14, एच 16, एच 18, एच 22, एच 24, एच 28                        | 1xxx, 3xxx, 5xxx,                  | -                         | एल्यूमीनियम मिश्रित पैनल, अग्रभाग, विभाजन, साइनेज आदि के लिए।                                |
| रंग लेपित                            | 0.12 से 1.63         | 760 से 1550         | एच 12, एच 14, एच 16, एच 18, एच 22, एच 24, एच 28, एच 4 एक्स             | 1xxx, 3xxx, 5xxx,                  | 1000 से 7000 (शीट के लिए) | एल्यूमीनियम मिश्रित पैनल, अग्रभाग, इन्सुलेशन, छत / क्लैडिंग के लिए                           |
| फिन स्टॉक                            | 0.04 t से 1.5        | 10 से 1220          | O, एच 12, एच 14, एच 16, एच 18, एच 9, एच 22, एच 24, एच 26, एच 28, & एफ  | 1xxx, 3xxx, 8xxx                   |                           | ऑटोमोटिव / ट्रांसपोर्ट, इंडस्ट्रियल हीट एक्सचेंजर और एयर कंडीशनिंग के लिए एचबीएसी एप्लीकेशन. |
| क्लैड                                | 0.045 से 4.0         | 10 से 1200          | O, एच 12, एच 14, एच 16, एच 18, एच 19, एच 22, एच 24, एच 26, एच 28, & एफ | 3xxx, 4xxx, 5xxx, 7xxx             | 500 से 4500 (शीट के लिए)  | मोटर वाहन के लिए एचबीएसी आवेदन / ट्रांसपोर्ट   |
| मंडलियां                             | 0.6 से 7.25          | 102 से 1350 (व्यास) | O, एच 12, एच 14, एच 16, एच 18, एच 24, टी 6                             | 1xxx, 3xxx, 4xxx, 5xxx, 6xxx, 8xxx |                           | प्रेसर कुकर  |

|  |                      |             |  |   |                |   |
|--|----------------------|-------------|--|---|----------------|---|
| पन्नी स्टॉक  | 0.08 से अधिक<br>0.60 | 540 से 1940 | एच 14, एच 16, एच 18, H24 एफ  | 1xxx, 3xxx,<br>8xxx,                              |                | पैकेजिंग  |
| कठोर मिश्र   | 0.20 से 5            | 20 से 1900  | O, एच 12, एच 14, एच 16, एच 18, एच 19, एच 22, एच 24, एच 26, एच 28, एच 32, एच 34, एच 36, एच 38, टी 4, टी 5, टी 6 | 2xxx, 5xxx,<br>6xxx, 7xxx                         | 500 से<br>6000 | औद्योगिक, निर्माण और डेफेंस अनुप्रयोग               |
| लिथोग्राफिक एल्युमिनियम  | 0.20 से 0.35         | 600 से 1460 | एच 18  | 1xxx  |                | मुद्रण प्लेटें                                      |
| प्लेट्स  | 5 से 300             | 140 से 1900 | टी 6, एफ, O, एच 111  | 1xxx, 2xxx,<br>3xxx, 5xxx,<br>6xxx, 7xxx,<br>8xxx | 500 से<br>6000 | डेफेंस और औद्योगिक अनुप्रयोग                        |
| क्लोजर स्टॉक   | 0.13 से 0.52         | 38 से 1940  | O, एच 14, एच 16, एच 18, एच 34, एच 36, एच 39  | 1xxx, 3xxx,<br>5xxx, 8xxx                         | 425 से<br>1300 | पीपी कैप्स और पैकेजिंग                              |
| सामान्य इंजीनियरिंग और औद्योगिक अनुप्रयोगों सहित आवेदन (जिसे GEQ कहा जा सकता है) | 0.07 से 5            | 10 से 1950  | O, एच 12 एच 14 एच 15, एच 16, एच 18, एच 19, एच 22, एच 24, एच 26, एच 28, F, एच 2X, एच 3X, एच 4X, टी 4, टी 6      | 1xxx, 3xxx,<br>5xxx, 6xxx,<br>8xxx                | 600 से<br>6000 | औद्योगिक, मोटर वाहन, निर्माण, टिकाऊ, इन्सुलेशन आदि। |

5. ये उत्पाद / श्रेणियां उद्योग की व्यावसायिक समझ पर आधारित हैं जिन्हें अंतिम उपयोग के आवेदन और तकनीकी विशेषताओं में वर्गीकृत किया गया है।
6. पीयूसी को भारत में सामान्यतः सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची-1 के एच एस कोड 7606 और 7607 के तहत आयात किया जाता है। टैरिफ कोड केवल सांकेतिक है और किसी भी प्रकार से वर्तमान आवेदन में पीयूसी के कार्य क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

#### ख. समान वस्तु

7. आवेदकों ने दावा किया है कि भारत में पाटित की जा रही संबद्ध वस्तु घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु के समान है। पाटित आयातों और घरेलू रूप से उत्पादित संबद्ध वस्तु के तकनीकी विनिर्देशनों, गुणवत्ता, कार्य या अंतिम प्रयोग में कोई अंतर नहीं है। ये दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं इसलिए नियमावली के अंतर्गत इन्हें "समान वस्तु" माना जाना चाहिए। अतः वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ भारत में आवेदक द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु को संबद्ध देशों से आयातित की जा रही संबद्ध वस्तु के "समान वस्तु" माना जा रहा है।

### ग. घरेलू उद्योग

8. यह आवेदन मै. हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा दायर किया गया है। आवेदकों ने दावा किया है कि न तो उन्होंने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का आयात किया है और न ही वे संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तु के किसी निर्यातक या किसी उत्पदक अथवा भारत में पीयूसी के किसी आयातक से संबंधित हैं। रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना के आधार पर यह नोट किया जाता है कि आवेदक नियम 2(ख) के अनुसार पात्र घरेलू उद्योग है और आवेदन संबंधित नियमावली के नियम 5(3) के अनुसार योग्यता संबंधी मापदंडों को पूरा करता है।

### घ. कथित पाटन का आधार चीन के लिए सामान्य मूल्य

9. आवेदक ने अनुरोध किया है कि चीन जन.गण को इस जांच के प्रयोजनार्थ एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था माना जाना चाहिए जैसा कि भारत सहित विभिन्न देशों द्वारा कई हाल के मामलों में किया गया है। यह निवेदन किया गया है कि संबद्ध देश में संबद्ध वस्तुओं की घरेलू कीमतों के संबंध में अन्य दस्तावेजी साक्ष्य या विश्वसनीय सूचना पब्लिक डोमेन में उपलब्ध नहीं है। इसलिए, घरेलू उद्योग ने भारत में उत्पादन की लागत के आधार पर संबद्ध देश के संबंध में निर्धारित सामान्य मूल्य का प्रस्ताव किया है। इसलिए, सामान्य मूल्य को भारत में उत्पादन की लागत को अपनाकर निर्मित किया गया है जैसा कि एस जी ए व्ययों के लिए उचित समायोजन और नियमावली के पैरा 6(8) के अनुसरण में उत्पादन की लागत पर 5 प्रतिशत की दर पर एक उचित लाभ को माना है।
10. संबद्ध वस्तुओं के विभिन्न पीसीएन की कीमत, लागत, अंतिम प्रयोग, विशेषताओं आदि में महत्वपूर्ण अंतर के कारण प्रत्येक पीसीएन के लिए सामान्य मूल्य को पृथक-पृथक निर्धारित किया गया है।

### निर्यात कीमत

11. संबद्ध देशों के लिए निर्यात कीमत का परिकलन वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) से प्राप्त सौदावार आयात आंकड़ों के आधार पर किया गया है। समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, संभलाई प्रभार, पत्तन व्यय, बैंक प्रभार और वैट के लिए कीमत समायोजन किए गए हैं।

### पाटन मार्जिन

12. सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की कारखाना द्वार स्तर पर तुलना की गई है जिससे प्रथम दृष्टया संबद्ध देशों से पीयूसी के संबंध में पाटन मार्जिन के न्यूनतम सीमा से अधिक होने का पता चलता है। इस बात के पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य हैं कि संबद्ध देशों से निर्यातकों द्वारा भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तु का पाटन किया जा रहा है।

### क्षति और कारणात्मक संबंध

13. आवेदकों द्वारा प्रस्तुत सूचना पर घरेलू उद्योग को हुई क्षति के आकलन हेतु विचार किया गया है। आवेदक ने समग्र रूप से और भारत में कुल आयातों, उत्पादन और खपत की दृष्टि से पाटित आयातों की बड़ी हुई मात्रा, कीमत कटौती, कीमत ह्रास और घरेलू उद्योग के कीमत न्यूनीकरण के रूप में कथित पाटन के परिणामस्वरूप क्षति होने के संबंध में साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं। आवेदक ने दावा किया है कि उनका कार्य निष्पादन घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और क्षति रहित कीमत से कम कीमत पर संबद्ध वस्तु के आयातों में वृद्धि के परिणामस्वरूप क्षमता उपयोग, मालसूची, लाभ, आरओआई और नकद प्रवाह के संबंध में बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इस बात के पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है।
14. आवेदकों ने यह भी दावा किया है कि आयातों से आधार वर्ष की तुलना में पीओआई में आयातों में भारी वृद्धि पर विचार करते हुए वास्तविक क्षति के खतरे, संबद्ध देशों में अत्यधिक अतिरिक्त क्षमताओं, संबद्ध देशों में उत्पादकों

का अत्यधिक निर्यातोंमुख होना, कम अवधि में उत्पादन बढ़ाने की क्षमता पर विचार करते हुए वास्तविक क्षति का खतरा है। यह सभी कारक दर्शाते हैं कि आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति का खतरा है।

### **पाटनरोधी जांच की शुरूआत**

15. घरेलू उद्योग के द्वारा या उसकी ओर विधिवत रूप से साक्ष्यांकित लिखित आवेदन के आधार पर और घरेलू उद्योग द्वारा संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित विचाराधीन उत्पाद के पाटन, घरेलू उद्योग को क्षति और कथित पाटन और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर स्वयं को संतुष्ट करने के बाद और नियमावली के नियम 5 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9क के अनुसार प्राधिकारी एतद्द्वारा संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित विचाराधीन उत्पाद के संबंध में किसी कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने और पाटनरोधी शुल्क की ऐसी राशि की सिफारिश करने जिसे यदि लगाया जाए तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगी, जांच की शुरूआत करते हैं

### **संबद्ध देश**

16. वर्तमान जांच में संबद्ध देश चीन जन.गण. है।

### **जांच की अवधि (पीओआई)**

17. आवेदकों ने जांच अवधि (पीओआई) के लिए अप्रैल 2019-दिसंबर, 2019 (9 माह) का प्रस्ताव किया है। क्षति जांच अवधि में 2016 - 2017, 2017 - 2018, 2018 - 2019 और पीओआई की अवधियों पर विचार किया गया है। नियम 22(3) में संशोधन के स्पष्टीकरण को देखते हुए जांच की अवधि (पीओआई) अप्रैल 2019-मार्च, 2020 (12 माह) के रूप में प्रस्तावित है तथा क्षति अवधि में अप्रैल 2016 - मार्च, 2017, अप्रैल 2017-मार्च, 2018, अप्रैल 2018 - मार्च 2019 और पीओआई की अवधियां शामिल होंगी।

### **प्रक्रिया**

18. नियमावली के नियम 6 में यथाप्रदत्त सिद्धांतों का वर्तमान जांच में पालन किया जाएगा।

### **सूचना प्रस्तुत करना**

19. कोविड-19 महामारी से उत्पन्न विशेष परिस्थितियों के मद्देजर निर्दिष्ट प्राधिकारी को समस्त पत्र ई-मेल पत्तों [adg11-dgtr@gov.in](mailto:adg11-dgtr@gov.in), और [dd15-dgtr@gov.in](mailto:dd15-dgtr@gov.in) पर ई-मेल के माध्यम से भेजे जाने चाहिए।
20. संबद्ध देशों में ज्ञात उत्पादकों/ निर्यातकों, भारत में उनके दूतावास के जरिए उनकी सरकारों, भारत में संबद्ध वस्तु से संबंधित समझे जाने वाले आयातकों और प्रयोक्ताओं तथा घरेलू उद्योग को नीचे निर्धारित की गई समय सीमा के भीतर विहित प्रपत्र में एवं ढंग से समस्त संगत सूचना प्रस्तुत करने के लिए अलग से सूचित किया जा रहा है।
21. कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी नीचे दी गई समय सीमा के भीतर विहित प्रपत्र और ढंग से इस जांच से संगत अपने अनुरोध प्रस्तुत कर सकता है।
22. प्राधिकारी के समक्ष कोई गोपनीय अनुरोध करने वाले किसी पक्षकार को अन्य हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराए जाने के लिए उसका एक अगोपनीय अंश प्रस्तुत करना अपेक्षित है।

### **च. समय-सीमा**

23. वर्तमान जांच से संबंधित कोई सूचना नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार सूचना की प्राप्ति की तारीख से 30 दिनों के भीतर ऊपर उल्लिखित ई-मेल पत्तों पर ई-मेल के माध्यम से निर्दिष्ट प्राधिकारी को भेजी जानी चाहिए।

तथापि यह नोट किया जाए कि उक्त नियम के स्पष्टीकरण के अनुसार सूचना और अन्य दस्तावेज मंगाने वाले नोटिस को निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा उसे भेजे जाने की तारीख या निर्यातक देश के उचित राजनयिक प्रतिनिधि को दिए जाने की तारीख से एक सप्ताह के भीतर प्राप्त हुआ मान लिया जाएगा। यदि विहित समय सीमा के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है या प्राप्त सूचना अधूरी होती है तो प्राधिकारी नियमावली के अनुसार रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं।

24. सभी हितबद्ध पक्षकारों को एतद्वारा वर्तमान मामले में अपने हित (हित के स्वरूप सहित) की सूचना देने और उपर्युक्त समय सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दी जाती है।

#### **गोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना**

25. प्राधिकारी के समक्ष कोई गोपनीय अनुरोध करने या गोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार को नियमावली के नियम 7(2) और इस संबंध में जारी व्यापार सूचनाओं के अनुसार उसका एक अगोपनीय अंश साथ में प्रस्तुत करना अपेक्षित है। इसका पालन न करने पर उत्तर/अनुरोध को अस्वीकार किया जा सकता है।
26. प्रश्नावली के उत्तर सहित प्राधिकारी के समक्ष कोई अनुरोध (उससे संलग्न परिशिष्ट/अनुबंध सहित) प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों को गोपनीयता के दावे के मामले में दो अलग-अलग सैट प्रस्तुत करना अपेक्षित है। गोपनीय रूप में चिन्हित एक सैट (शीर्षक, पृष्ठ सं., सूची आदि सहित) और अगोपनीय रूप में चिन्हित दूसरा सैट (शीर्षक, पृष्ठ सं., सूची आदि सहित)।
27. "गोपनीय "या" अगोपनीय "अनुरोधों पर स्पष्ट रूप से प्रत्येक पृष्ठ पर" गोपनीय "या" अगोपनीय "अंकित होना चाहिए। ऐसे अंकन के बिना प्रस्तुत सूचना को प्राधिकारी द्वारा अगोपनीय माना जाएगा और प्राधिकारी अन्य हितबद्ध पक्षकारों को ऐसे अनुरोध का निरीक्षण करने की अनुमति देने के लिए स्वतंत्र होंगे।
28. गोपनीय पाठ में ऐसी समस्त सूचना होगी जो स्वाभाविक रूप से गोपनीय है और/अथवा ऐसी अन्य सूचना जिसके ऐसी सूचना के प्रदाता द्वारा गोपनीय होने का दावा किया गया है। स्वाभाविक रूप से गोपनीय होने का दावा की गई सूचना या अन्य कारणों से गोपनीयता का दावा की गई सूचना के संबंध में सूचना प्रदाता को प्रदत्त सूचना के साथ ऐसे कारणों का विवरण प्रस्तुत करना होगा कि उस सूचना का प्रकटन क्यों नहीं किया जा सकता है।
29. अगोपनीय रूपांतरण को उस सूचना, जिसके बारे में गोपनीयता का दावा किया गया है, पर निर्भर रहते हुए अधिमानतः सूचीबद्ध या रिक्त छोड़ी गई (यदि सूचीबद्ध करना व्यवहार्य न हो) और सारांशीकृत गोपनीय सूचना के साथ गोपनीय रूपांतरण की अनुकृति होना अपेक्षित है। अगोपनीय सारांश पर्याप्त विस्तृत होना चाहिए ताकि गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना की विषय वस्तु को तर्कसंगत ढंग से समझा जा सके। तथापि, आपवादिक परिस्थितियों में गोपनीय सूचना प्रदाता पक्षकार यह इंगित कर सकते हैं कि ऐसी सूचना का सारांश संभव नहीं है और प्राधिकारी की संतुष्टि के अनुसार इस आशय के कारणों का एक विवरण उपलब्ध कराया जाना चाहिए कि सारांशीकरण क्यों संभव नहीं है।
30. प्रस्तुत सूचना के स्वरूप की जांच करने के बाद प्राधिकारी गोपनीयता के अनुरोध को स्वीकार या अस्वीकार कर सकते हैं। यदि प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हैं कि गोपनीयता का अनुरोध अपेक्षित नहीं है अथवा सूचना प्रदाता उक्त सूचना को सार्वजनिक करने या सामान्य रूप में अथवा सारांश रूप में उसके प्रकटन को प्राधिकृत करने का अनिच्छुक है तो वह ऐसी सूचना की अनदेखी कर सकते हैं।



31. सार्थक अगोपनीय रूपांतरण के बिना या गोपनीयता के दावे के बारे में यथोचित कारण के विवरण के बिना किए गए किसी अनुरोध को प्राधिकारी द्वारा रिकॉर्ड में नहीं लिया जाएगा।
32. प्रदत्त सूचना की गोपनीयता की जरूरत से संतुष्ट होने और उसे स्वीकार कर लेने के बाद प्राधिकारी ऐसी सूचना के प्रदाता पक्षकार के विशिष्ट प्राधिकार के बिना किसी पक्षकार को उसका प्रकटन नहीं करेंगे।

### **सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण**

33. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6 (7) के अनुसार कोई हितबद्ध पक्षकार उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है जिसमें अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय रूपांतरण रखे गए हैं।

### **असहयोग**

34. यदि कोई हितबद्ध पक्षकार उचित अवधि के भीतर आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है अथवा उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता है या जांच में अत्यधिक बाधा डालता है तो प्राधिकारी ऐसे पक्षकार को असहयोगी घोषित कर सकते हैं और अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

बिद्युत बिहारी स्वैन, विशेष सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

## **MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**

**(Department of Commerce)**

**(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)**

### **INITIATION-NOTIFICATION**

New Delhi, the 8th September, 2020

**Case No. ADD-(OI) 22/2020**

**Subject: Initiation of Anti-Dumping Investigation concerning imports of “Certain Flat Rolled Products of Aluminium” originating in or exported from China PR.**

**No. 6/27/2020-DGTR.-1.** M/s. Hindalco Industries Limited (hereinafter also referred to as “Applicant”) have filed an application before the Designated Authority (hereinafter also referred to as the “Authority”) on behalf of the domestic industry, in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the “Act”) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of injury) Rules, 1995 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the “Rules”) for Original Investigation of Anti-dumping Duty concerning imports of “Certain Flat Rolled Products of Aluminium” (hereinafter also referred to as “subject goods” or specifically as “product under consideration” or “PUC”, originating in or exported from China PR. (hereinafter also referred to as the “subject country”).

2. The Applicant has alleged material injury and threat of material injury to the Domestic Industry due to dumped imports from the subject countries and have requested for imposition of anti-dumping duty on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country.

**A. Product under consideration**

3. The product under consideration is ‘Certain Flat Rolled Products of Aluminium’. Certain Flat Rolled Products of Aluminium is made in the form of Aluminium Rolled Coils, or Aluminium Rolled Sheets of various dimensions. FRP is made from primary or secondary aluminium which may undergo several processes such as melting & alloying, slab casting (slabs/con cast), hot rolling, cold rolling, and other finishing processes and used for variety of applications depending upon the gauge, temper, alloy, width, finish etc.
4. The applicant has proposed a PCN structure since the various categories of products under the PUC scope varies in terms of costs, prices, end-use, characteristics etc. The PCNs proposed by the Applicant are as under. The interested parties however, can provide their comments/suggestions for the finalization of PCNs for the purpose of this investigation within 15 days from the date of initiation of this investigation.

| PCN                               | Thickness Range (mm)   | Width Range (mm)       | Temper   | Alloy Series                             | Length Range (mm)        | Primary Application  |
|-----------------------------------|------------------------|------------------------|--|--|--------------------------|--|
| ACP Stock / ACP Mill Finish (ACP) | 0.12 to 0.98           | 760 to 1550            | H12, H14, H16, H18, H22, H24, H28  | 1xxx, 3xxx, 5xxx,                        | -                        | Aluminium composite panels, for façade, Partitions, Signage etc.                           |
| Colour Coated                     | 0.12 to 1.63           | 760 to 1550            | H12, H14, H16, H18, H22, H24, H28, H4X   | 1xxx, 3xxx, 5xxx,                        | 1000 to 7000 (for Sheet) | Aluminium composite panel, for façade, insulation, roofing/cladding                        |
| Fin Stock                         | 0.04 to 1.5            | 10 to 1220             | O, H12, H14, H16, H18, H19, H22, H24, H26, H28, & F                            | 1xxx, 3xxx, 8xxx                         |                          | HVAC applications for automotive/transport, industrial heat exchanger and air conditioning |
| Clad                              | 0.045 to 4.0           | 10 to 1200             | O, H12, H14, H16, H18, H19, H22, H24, H26, H28, & F                            | 3xxx, 4xxx, 5xxx, 7xxx                   | 500 to 4500 (for Sheet)  | HVAC applications for automotive/transport   |
| Circles                           | 0.6 to 7.25            | 102 to 1350 (Diameter) | O, H12, H14, H16, H18, H24, T6   | 1xxx, 3xxx, 4xxx, 5xxx, 6xxx, 8xxx       |                          | Pressure Cooker & Cookwares  |
| Foil Stock                        | More than 0.08 to 0.60 | 540 to 1940            | H14, H16, H18, H24 & F   | 1xxx, 3xxx, 8xxx,                        |                          | Packaging  |
| Hard Alloys                       | 0.20 to 5              | 20 to 1900             | O, H12, H14, H16, H18, H19, H22, H24, H26, H28, H32, H34, H36, H38, T4, T5, T6 | 2xxx, 5xxx, 6xxx, 7xxx                   | 500 to 6000              | Industrial, Construction and Défense Applications  |
| Lithographic Aluminium            | 0.20 to 0.35           | 600 to 1460            | H18  | 1xxx                                     |                          | Printing plates  |
| Plates                            | 5 to 300               | 140 to 1900            | T6, F, O, H111   | 1xxx, 2xxx, 3xxx, 5xxx, 6xxx, 7xxx, 8xxx | 500 to 6000              | Défense and Industrial Applications  |
| Closure Stock                     | 0.13 to 0.52           | 38 to 1940             | O, H14, H16, H18, H34, H36, H39  | 1xxx, 3xxx, 5xxx, 8xxx                   | 425 to 1300              | PP Caps and Packaging  |
| Applications including            | 0.07 to 5              | 10 to 1950             | O, H12, H14, H15, H16, H18, H19,   | 1xxx, 3xxx, 5xxx, 6xxx,                  | 600 to 6000              | Industrial, Automotive,  |



|   |  |  |  |      |  |  |
|---|--|--|--|------|--|--|
| General Engineering and Industrial Applications (which may be called GEQ) |  |  | H22, H24, H26, H28, F, H2X, H3X, H4X, T4, T6 | 8xxx |  | Construction, Durables, Insulations etc. |
|---|--|--|--|------|--|--|

5. These products/categories are based on the commercial understanding of industry which are categorised on end-use application and technical characteristics.
6. The PUC is generally imported into India under HS Codes 7606 and 7607 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975. The tariff code classification is merely indicative and in no way binding on the scope of the PUC in the present application.

#### **B. Like Article**

7. The Applicant has claimed that the subject goods, which are being dumped into India, are identical to the goods produced by the domestic industry. There are no differences either in the technical specifications, quality, functions or end-uses of the dumped imports and the domestically produced subject goods. The two are technically and commercially substitutable and hence should be treated as 'like article' under the Rules. Therefore, for the purpose of the present investigation, the subject goods produced by the Applicant in India are being treated as 'Like Article' to the subject goods being imported from the subject country.

#### **C. Domestic Industry**

8. The Application has been filed by M/s. Hindalco Industries Limited. The Applicant has claimed that they have neither imported the subject goods from the subject countries nor are related to any exporter or producer of subject goods in the subject countries or any importer of the PUC in India. On the basis of information on record, it is noted that the Applicant constitute eligible domestic industry in terms of Rule 2 (b), and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5(3) of the Rules.

#### **D. Basis of Alleged Dumping**

##### **Normal Value for China**

9. The Applicant has submitted that China should be considered as a non-market economy country for the purpose of this investigation as has been done in many recent cases by various countries, including India. It is submitted that other documentary evidence or reliable information with regard to domestic prices of the subject goods in the subject country are not available in the public domain. Therefore, the Domestic Industry has proposed constructed normal value in respect of the subject country on the basis of cost of production in India. The Normal Value has therefore been constructed by adopting cost of production in India as normed with due adjustment for SGA expenses and a reasonable profit at the rate of 5% on cost of production in accordance with Para 6(8) of the Rules.
10. Owing to significant difference in price, cost end-use, characteristics etc. of different PCNs of subject goods, normal value for each PCN has been determined separately.

##### **Export price**

11. The export price for the subject countries has been computed based on Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) transaction-wise import data. Price adjustments

have been made on account of ocean freight, marine insurance, commission, handling charges, port expenses, bank charges, and VAT.

### **Dumping Margin**

12. The normal value and the export price have been compared at ex-factory level, which prima facie shows significant dumping margin above the de minimis in respect of the subject goods from the subject country. There is sufficient prima facie evidence that the subject goods are being dumped into the Indian market by the exporters from the subject country.

### **Injury and Causal Link**

13. Information furnished by the Applicant has been considered for assessment of injury to the domestic industry. The Applicant has furnished evidence regarding the injury having taken place as a result of the alleged dumping in the form of increased volume of dumped imports in absolute terms and in relation to production and consumption in India, price suppression and depression on the domestic industry. The Applicant has claimed that its performance has been adversely impacted in respect of inventories, profits, ROI and cash flow, as a result of increase in imports of subject goods at a price below non-injurious price for the domestic industry. There is sufficient prima facie evidence of injury being caused to the domestic industry by dumped imports of subject goods from the subject country.
14. The applicant has also claimed that imports are causing threat of material injury, considering significant increase in imports in the POI as compared to base year, significant surplus capacities in subject country, high export orientation of producers in subject country, and ability to scale up production in short span. All these factors go on to show that imports are causing threat of material injury to the domestic industry.

### **Initiation of Anti-Dumping Investigation**

15. On the basis of the duly substantiated written application by or on behalf of the domestic industry, and having satisfied itself, on the basis of the prima facie evidence submitted by the domestic industry, about dumping of the product under consideration originating in or exported from the subject country, injury to the domestic industry and causal link between such alleged dumping and injury, and in accordance with Section 9A of the Act read with Rule 5 of the Rules, the Authority, hereby, initiates investigation to determine the existence, degree and effect of alleged dumping in respect of the product under consideration originating and exported from the subject country and to recommend the amount of anti-dumping duty, which if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

### **Subject Country**

16. The subject country in the present investigation is China PR.

### **Period of Investigation**

17. The applicant had proposed period of investigation (POI) as April 2019-December 2019 (9 months). The injury investigation period has been considered as the periods 2016–2017, 2017–2018, 2018–19 and POI. But in view of explanation to amended Rule 22 (3), the period of investigation (POI) is being proposed as April 2019- March 2020 (12 months) and the injury period will cover the periods April 2016- March 2017, April 2017- March 2018, April 2018- March 2019 and the POI.

### **Procedure**

18. Principles as given in Rule 6 of the Rules will be followed for the present investigation.

**Submission of Information**

19. In view of the special circumstances arising out of COVID-19 pandemic, all communication should be sent to the Designated Authority via email at the email addresses [adg11-dgtr@gov.in](mailto:adg11-dgtr@gov.in), and [dd15-dgtr@gov.in](mailto:dd15-dgtr@gov.in).
20. The known producers/exporters in the subject country, their Government through their Embassy in India, the importers and users in India known to be concerned with the subject goods and the domestic industry are being informed separately to enable them to file all the relevant information in the form and manner prescribed within the time-limit set out below.
21. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below.
22. Any party making any confidential submission before the Authority is requested to make a non-confidential version of the same available to the other interested parties.

**Time Limit**

23. Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority via email at the email addresses mentioned above within thirty days from the date of receipt of the notice as per Rule 6(4) of the Rules. It may, however, be noted that in terms of explanation of the said sub rule, the notice calling for information and other documents shall be deemed to have been received within one week from the date on which it was sent by the Designated Authority or transmitted to the appropriate diplomatic representative of the exporting country. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Authority may record its findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Rules.
24. All the interested parties are hereby advised to intimate their interest (including the nature of interest) in the instant matter and file their questionnaire responses within the above time limit.

**Submission of information on confidential basis**

25. Any party making any confidential submission or providing information on confidential basis before the Authority, is required to simultaneously submit a non-confidential version of the same in terms of Rule 7(2) of the Rules and the Trade Notices issued in this regard. Failure to adhere to the above may lead to rejection of the response/submissions.
26. The parties making any submission (including Appendices/Annexures attached thereto), before the Authority including questionnaire response, are required to file the same in two separate sets, in case "confidentiality" is claimed on any part thereof: one set marked as Confidential (with title, number of pages, index, etc.), and the other set marked as Non-Confidential (with title, number of pages, index, etc.).
27. The "confidential" or "non-confidential" submissions must be clearly marked as "confidential" or "non-confidential" at the top of each page. Any submission made without such marking shall be treated as non-confidential by the Authority, and the Authority shall be at liberty to allow the other interested parties to inspect such submissions.
28. The confidential version shall contain all information which is by nature confidential and/or other information which the supplier of such information claims as confidential. For information which are claimed to be confidential by nature or the information on which confidentiality is claimed because of other reasons, the supplier of the information is required to provide a good cause statement along with the supplied information as to why such information cannot be disclosed.

29. The non-confidential version is required to be a replica of the confidential version with the confidential information preferably indexed or blanked out (in case indexation is not feasible) and summarized depending upon the information on which confidentiality is claimed. The non-confidential summary must be in sufficient detail to permit a reasonable understanding of the substance of the information furnished on confidential basis. However, in exceptional circumstances, the party submitting the confidential information may indicate that such information is not susceptible to summary, and a statement of reasons why summarization is not possible must be provided to the satisfaction of the Authority.
30. The Authority may accept or reject the request for confidentiality on examination of the nature of the information submitted. If the Authority is satisfied the request for confidentiality is not warranted or if the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorize its disclosure in generalized or summary form, it may disregard such information.
31. Any submission made without a meaningful non-confidential version thereof or without good cause statement on the confidentiality claim shall not be taken on record by the Authority.
32. The Authority on being satisfied and accepting the need for confidentiality of the information provided, shall not disclose it to any party without specific authorization of the party providing such information

### **Inspection of Public File**

33. In terms of Rule 6(7) of the Anti-Dumping Rules, any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties.

### **Non-cooperation**

34. In case any interested party refuses access to and otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may declare such interested party as non-cooperative and record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

BIDYUT BEHARI SWAIN, Special Secy. & Designated Authority